खबर संक्षेप

दो दिवसीय अखण्ड श्रीराम धुन आयोजित

भुआबिछिया। श्री वटपीपल संकटमोचन मंदिर वियर हाऊस में अखण्ड राम धुन का रविवार को सम्पन्न हुई। राम धुन आयोजन श्रीमती जानकी कार्तिकेय और उनके पुत्र संतोष कार्तिकेय द्वारा आयोजित की गई। मानव जीवन के कल्याणार्थ पितृ शांति हेतु दो दिवसीय रामधुन,हवन के साथ भंडारा भी आयोजन किया गया।

ब्रह्माकुमारीज मण्डला के विश्व शांति भवन के सभागृह में प्रारम्भ हुआ समर कैम्प

मण्डला। ब्रह्माकुमारीज के युवा प्रभाग द्वारा आयोजित उत्कृष्ट समर कैंप का शुभारंभ ब्रह्माकुमारीज मार्ग, बस स्टैंड के पीछे स्थित विश्व शांति भवन के सभाग्रह में हुआ। इस समर कैंप में सभी जगह से बच्चे पहुँचें। ब्रह्माकुमारी ओमलता दीदी ने सभी को इस समर कैम्प के बारे में बताया कि इस समर कैम्प में ईमानदारी, आदर आदि विषयों के बारे में बताने के साथ साथ मूल्यनिष्ठ गेम्स, म्यूजिकल एक्सरसाइज, डांस और चित्रकला, गीत,संगीत, भाषण आदि प्रतियोगिताएं भी होगी। आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास की जानकारी प्रदान की जाएगी। यह समर कैम्प 23 मई तक रहेगा। इस कैम्प में सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक कि विधि बताई जाएगी, जिसमें भोजन करने के तरीके, बात चीत करने के तरीके, व्यवहार के तरीके आदि बातें सिखाई जाएगी। सभी बच्चे इस समर कैम्प में आकर बहुत खुश हो रहे हैं।

त्रिगुण पावन पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) के अवसर पर विश्व शांति धम्मदीप यात्रा 23 को

मण्डला। दि बुद्धिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया जिला शाखा मंडला के तत्वाधान में विश्व को शांति का संदेश देने वाले महाकारूणिक तथागत भगवान बुद्ध की 2568वीं पावन पूर्णिमा (बुद्ध पूर्णिमा) 23 मई 2024 को संध्या 5 बजे से विश्व शांति धम्म यात्रा जो की रपटा घाट से प्रारंभ होकर बैगा बैगी चौक, रेडक्रॉस होते हुए डॉ. अंबेडकर चौक में संपन्न होगी। जहां डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर पंचशील त्रिशरण ग्रहण किया जाएगा एवं खीर वितरण किया जाएगा।

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य शुरू, 400 रूपए प्रति सैकड़ा दर निर्धारित

ग्राम सभा भी करेंगी तेंदूपत्ता तुड़ाई कार्य

*** गुणवत्तायुक्त पत्ते की उम्मीद।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के लोगों की आजीविका और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए कई प्रकार के साधन होते हैं। वहीं वनांचल और ग्रामीण क्षेत्र के लोग वनों पर निर्भर रहते हैं। वनों से प्राप्त होने वाले सभी सामग्री को एकत्र करके बेचना यहां के ग्रामीणो का मुख्य व्यवसाय होता है। इसी क्रम में तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य शासन के दिशा-निर्देश के अंतर्गत किया जाता है। जिस पर आदिवासी और ग्रामीण अंचल क्षेत्र के लोग संग्रहित करते हैं और वन विभाग द्वारा बनाए गए फड को बेचते हैं। तेंदूपत्ता सीजन 2024 में तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए वन समितियों, पेसा एक्स के अंतर्गत ग्राम सभा और फड मुंशीयों को निर्देशित किया गया है। तेंदूपत्ता समिति में फड़ों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य किया जाएगा। तेंदू पत्ता संग्रहण के लिए प्रति सैकड़ा 400 रूपए शासन स्तर से निर्धारित किया गया है।

तेंदूपत्ता संग्राहकों ने बताया गया कि इस वर्ष बेइमान मौसम के कारण तेंदूपत्ता परिपक्क नहीं हो पाया है, जिसके कारण इस वर्ष भी तेंदूपत्ता प्रभावित होने का डर संग्रहकों को लग रहा है। मार्च के बाद अप्रैल माह से सूर्य देव की प्रंचडता दिखने लगती थी, लेकिन इस वर्ष बेमौसम बारिश के चलते गर्मी की तपन के साथ बारिश ने तेंदूपत्ता को प्रभावित कर रहा है। फिलहाल मौसम के मिजाज बदले हुए है। मौसम को देखते हुए तेंदूपत्ता की खरीदी की जा रही है। वहीं सूर्य देव भी अपने तीखे तेवर दिखाना शुरू कर दिए है। जिले में जहां तेंदूपत्ता परिपक्व हो चुके है, वहां तेंदु की तुड़ाई शुरू कर दी गई है और जहां तेंदू परिपक्व नहीं हुआ है, वहां दो चार दिन में परिपक्व होने के बाद तुडाई कार्य शुरू किया जाएगा। फिलहाल तेंदूपत्ता को तेज धूप, तपन की जरूरत है। जिससे गुणवत्तायुक्त तेंदूपत्ता मिल सके।

विगत वर्षो से ज्यादा नहीं मिला रहा लाभ

जानकारी अनुसार विगत वर्ष 2020-2021 में तेंदुपत्ता संग्रहण कार्य प्रभावति रहा। जिससे वन क्षेत्रो के ग्रामीणो अधिक लाभ नहीं मिल सका। गत वर्ष मई के सिर्फ पन्द्रह दिन ही संग्रहण कार्य हो सका था। ग्रामीणो को काम देने के लिए पत्ता तुड़वाया गया लेकिन उसका लाभ ग्रामीण को नहीं मिल सका। कुछ जगह पत्ता रखा रह गया और ठेकेदार ने लेने से इंकार तक कर दिया। इसके बाद वर्ष 2022 के सीजन में ग्रामीणो में काफी उत्साह देखा गया। क्योंकि फरवरी 2022 में मौसम अच्छा रहा। मई माह की पहली तपन से नई पत्तियां आना शुरू हो गई थी और मौसम अच्छा होने के कारण विगत वर्ष 2022 में गुणवत्तायुक्त तेंदूपत्ता संग्रहण किया गया। इसके साथ ही विगत वर्ष 2023 में भी बिगड़े मौसम ने तेंदूपत्ता के लक्ष्य को प्रभावित किया था। जिसके कारण विभाग का लक्ष्य पिछले साल पूरा नहीं हो सका।

समितियों को मिलेगा चार हजार प्रति मानक बोरा

बताया गया कि इस वर्ष भी बेमौसम बारिश के कारण तेंदूपत्ता तुड़ाई और संग्रहण प्रभावित होने की संभावना बनी हुई है। यदि मौसम ऐसे ही बेइमान रहा तो इस बार भी तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाली समितियों और ग्रामीण संग्रहकों पर इसका असर पड़ेगा। पिछले एक दशक से प्रति सैंकड़ा से मानक बोरा मामूली इजाफा ही हुआ था। इसके बाद इस सीजन में शासन ने तीन हजार रूपए प्रति मानक बोरा के स्थान पर इसमें इजाफा करते हुए एक हजार रूपए प्रति मानक बोरा बढ़ाया गया है। अब चार हजार रूपए प्रति मानक बोरा समितयों के लिए निर्धारित किया गया। प्रति मानक बोरा में बढ़ाया गई राशि से संग्राहक खुश तो है, लेकिन बेइमान मौसम ने ग्रामीणों की हालत खराब कर दी है।

इन क्षेत्रों में अधिक मिलता हैं तेंदुपत्ता

जिले में सबसे अधिक पश्चिम सामान्य वनमंडल क्षेत्र में तेंदुपत्ता का संग्रहण किया जाता है। पिंडरई, नैनपुर, गोराछापर, बम्हनी, टाटरी, मछरिया, मंडला, किंद्री, चिरइडोंगरी, खारी, बबलिया, बीजेगांव, टिकरिया, कालपी, जमुनिया, घोंटखेड़ा, लखनपुर, मोइयानाला, पड़रिया, निवास, छपरा,पददीकोना समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण कराया जा रहा है। पूर्व सामान्य वनमंडल में अंजनिया, कामता, ककैया, मोहगांव, घुघरी, सलवाह, बिछिया, सिमरिया, मोतीनाला, दाड़ी भानपुर, मवई समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण होता है। मौसम साथ दिया तो इस बार जून तक तुड़ाई का कार्य किया जा सकता है।

तेंदूपत्ता का लक्ष्य हुआ निर्धारित

ज्ञात हो कि इस वर्ष तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य पूर्व व पश्चिम वन मंडल की समितियों और पेसा एक्ट के अंतर्गत ग्राम सभा द्वारा किया जाएगा। इस वर्ष करीब 57 हजार 900 मानक बोरों का लक्ष्य मिला है। जिसमें पश्चिम और पूर्व वन मंडल की निर्धारित समितियों के माध्यम से तेंदूपत्ता संग्रहण के लक्ष्य को पूरा किया जाएगा। तय किये गए लक्ष्य में 57 हजार 398 मानक बोरा समितियों के माध्यम से और शेष 502 मानक बोरा 10 ग्राम सभाओं द्वारा संग्रहित किया जाएगा। फिलहाल जिले में मौसम को देखते हुए कुछ ही क्षेत्रों में तेंदूपत्ता तुड़ाई कार्य शुरू किया गया है, अभी कुछ जगहों के तेंदूपत्ता परिपक्व नहीं हो पाए है, जिसके कारण अभी और तेज तपन की जरूरत तेंदू को है। मौसम को देखते हुए आगामी तीन चार दिन बाद ही शेष स्थानों में तेंदूपत्ता तुड़ाई शुरू हो पाएगी।

विद्यार्थी परिषद् ने किया पाठशाला का शुभारंभ

*** सेवा बस्ती में बच्चो को दे रहे निशुल्क शिक्षा।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

अखिल भारतीय विद्यार्थी मंडला नगर के कार्यकर्ताओं द्वारा मोहल्ले एवं बस्तियों में गरीब बच्चों को निःशुल्क परिषद की पाठशाला शुरू किया गया है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष में स्टूडेंट फ़ॉर सेवा (सेवार्थ विद्यार्थी) आयाम के माध्यम से विद्यार्थी परिषद ने शुरू की निशुल्क परिषद की पाठशाला। नगर मंत्री प्रिंस सिंह ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उद्देश्य की ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे पठन - पठान से वंचित न रहे। शहरी क्षेत्र में ऑनलाइन पढ़ाई के वजह से मानसिक तनाव हो रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में बच्चों स्थिति में भी काफी प्रभावित हुई है। ऐसे में विद्यार्थी परिषद बच्चों को बीच में पहुंचकर उन्हें मुक्त शिक्षा दे रहा है।पठन-पठान को लेकर जागरूक भी कर रही है। विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता प्रतिदिन देंगे एक घंटा मुक्त शिक्षा मोहल्ले में गरीब बच्चों को विद्यालय जाने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है विद्यार्थी जीवन में शिक्षक का क्या महत्व है यह भी समझने का प्रयास किया जा रहा है। बस्तियों के बच्चों शिक्षा से वंचित रह जाते हैं इस कारण से विद्यार्थी परिषद ने बस्तियों में जा जाकर परिषद की पाठशाला शुरू करने की नई पहल का प्रयास किया है एवं बच्चों को मुक्त शिक्षा दे रहे हैं। विद्यार्थी परिषद हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गर्मी के दिनों में बस्तियों में जा जाकर परिषद की पाठशाला के माध्यम से शिक्षा दिया दी जा रही है एवं गर्मी के दिनों में छोटे-छोटे बस्तियों में बच्चों परिषद की पाठशाला के बस्तियों में कुछ ऐसे बच्चे होते हैं जो विद्यालय जाने से वंचित रह जाते हैं उनको विद्यालय जाने के लिए एवं शिक्षक का क्या महत्व है इसके बारे में संपूर्ण जानकारी दी जाती है उनके तरीके से उनको समझने का प्रयास किया जाता है ताकि बच्चों की इच्छा शक्ति बढ़ सके विद्यालय जाने की परिषद की पाठशाला के माध्यम से विद्यालय जाने के लिए बच्चों को प्रेरित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रूप से विभाग संगठन मंत्री रामाधार सिंह बैस, नगर मंत्री प्रिंस सिंह, विशाल नंदा, शोभित सिंगौर , नयन यादव, भूपेंद्र प्रजापति, आदित्य ठाकुर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिछिया पुलिस ने गुम मोबाईल और टेबलेट तलाश कर दिये आवेदकों को

भुआबिछिया। पुलिस अधीक्षक मण्डला रजत सकलेचा ने जिले के समस्त थाना प्रभारियो को सायबर सेल से जुडे अपराधो के संबंध मे आम जनो को जागरूक करने एवं गुम शुदा मोबाईलो की तलास कर उनके आवेदको को दिये जाने के निर्देश दिये गये थे। निर्देश के पालन मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमित वर्मा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) बिछिया आशिफ इकबाल के मार्ग दर्शन मे थाना प्रभारी बिछिया निरी.धर्मेन्द्र सिंह धुर्वे के द्वारा थाना मे प्राप्त आवेदन मोबाईल गुमने के संबंध मे तलास की गई । जिसमे 10 नग मोबाईल विभिन्न कम्पनियो के एवं एक टेबलेट की तलास करने पर मिले जिन्हे मोबाईल धारक एवं टेबलेट के धारक से सम्पर्क कर दिनांक 19/05/2024 को थाना स्तर पर प्रदाय किया गया। जिन लोगो के मोबाईल गुमे थे मोबाईल पाकर खुशी जाहिर करते हुये थाना स्टाफ को बधाई दी। इस अवसर पर थाना प्रभारी द्वारा उपस्थित लोगो को आश्वासन दिया की अभी कुछ और मोबाईलो की मिलने कि संभावना है। मोबाईलो की तलास में निरी.धर्मेन्द्र सिंह धुर्वे, प्र.आर. 267 जय पांडेय, प्र.आर.369 उपेन्द्र यादव, आर.636 महेन्द्र सिरसाम, आर.613 हेमंत शिव, म.आर.629 इनेश्वरी पिछोड़े,सै.137 अंबिका प्रसाद भाण्डे एवं सायबर सेल मण्डला से सुरेश बघेल, पुनीत जंघेला की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

हत्या के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

दिनांक 26/04/2024 को रिपोर्टकर्ता निवासी ग्राम कोहानी पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मण्डला ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि दिनांक 26/04/2024 आरोपी जोरा उर्फ जोराबल यादव पिता दुखिया यादव उम्र 40 साल निवासी ग्राम कोहानी चक्की टोला पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मण्डला ने लम्मू यादव पिता दुर्गलाल यादव उम्र 48 साल निवासी ग्राम कोहानी पुलिस चौकी मनेरी थाना बीजाडांडी जिला मण्डला को बांस के डन्डे से सिर पर जान से मारने की नियत से मारकर हत्या कर दी है। उक्त रिपोर्ट पर से थाना बीजाडांडी मे आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 118/2024 धारा 302, 294, 506 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। आरोपी जोरा यादव जो कि घटना दिनांक से लगातार फरार चल रहा था जिसकी तलाश लगातार पुलिस द्वारा की जा रही थी। तलाशी के दौरान थाना निवास पुलिस को भी इसकी सूचना दी गयी थी। थाना निवास पुलिस के सहयोग से थाना बीजाडांडी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आज दिनांक को माननीय न्यायालय निवास पेश किया गया है।

उक्त कार्यवाही में उनि पंकज विश्वकर्मा, उनि राम किशोर माथरे, उनि पुनीत बाजपेई, उनि साबीर खान, प्रधान आरक्षक नारायण उइके, प्र.आर. रवीन्द्र मरावी, आर. अनुपम तिवारी, आर. आनंद कोरी, आर. कैलाश उपाध्याय, आर. 627 रोहित कुमार कुशवाहा, आर. प्रशांत अवस्थी, आर. आलोक मरावी, आऱ. रोहित सिंगौर, आर. देवेन्द्र धुर्वे, आर. पंचम धुर्वे, आर. जय सिंह, म.आर. संगीता, म.आऱ. सनीता तेकाम, म.आऱ. आरती मल्लाह, आर. जवाहर विशिवकर्मा की विशेष भूमिका रही।

सम्मान | **परिक्रमा में शामिल होने वाले नर्मदा भक्तों को दिये गये प्रशस्ति पत्र।**

आयोजन समिति ने किया दानदाताओं का सम्मान

*** उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में किया था सहयोग।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

महिष्मति माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा इस वर्ष 02 सामूहिक परिक्रमाओं का आयोजन किया गया पहली परिक्रमा 21 एवं 22 अप्रैल को आयोजित की गई एवं दूसरी परिक्रमा 04 एवं 05 मई को आयोजित की गई थी। 21 एवं 22 अप्रैल की परिक्रमा यात्रा में चुनाव एवं शादियों के चलते कुछ कम संख्या में नर्मदा भक्त शामिल हो सके जब कि 04 एवं 05 मई की परिक्रमा यात्रा में लगभग 800 से ज्यादा परिक्रमावासी शामिल हुये जिन्होंने अपने-अपने स्तर से परिक्रमा पूर्ण की। परिक्रमा के दौरान विभिन्न व्यवस्थाओं जिसमें बालभोग, दोपहर एवं शाम का भोजन, नर्मदा तट पर रात्रि विश्राम, रास्ते में शीतल पेय, फल, फलाहार तथा आवश्यकतानुसार दवाईयाँ शामिल हैं इनकी व्यवस्थायें समिति एवं दानदाताओं के सहयोग से ही पूर्ण हुई कुछ दानदाता ऐसे भी थे जिन्होंने अनाज सहित अन्य खाद्य सामग्रियाँ परिक्रमावासियों के उपयोग हेतु समिति को दान की वहीं कुछ लोगों से समिति ने सहयोग मांगा और कुछ नर्मदा भक्त ऐसे भी थे जिन्होंने माँ नर्मदा की प्रेरणा से स्थान-स्थान पर परिक्रमावासियों की आवश्यकतानुसार एवं इनकी सुविधा के मद्देनजर उन्हें सहयोग किया। इन जान-अनजाने सहयोगकताओं को एक मंच पर लाकर समिति ने सम्मानित करने का प्रयास किया और जिन नर्मदा भक्तों ने उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा पूर्ण की उनके लिये एक स्मृति स्वरूप प्रशस्ति पत्र देने का निर्णय किया गया। इस आयोजन को शनिवार 18 मई कलादीर्घा के ऊपरी तल पर आयोजित किया गया आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में गुजरात से ज्योति बेन मण्डला पहुंची ज्योति जी के परिवार की 04 पीढ़िया नर्मदावासियों की एवं साधु-संतों की नर्मदा तट पर सेवा करती आई हैं। मण्डला के समाजसेवी गणेश जसवानी के साथ मधपुरी आश्रम के संत और शारदात्मानंद जी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल हुये। कार्यक्रम के दौरान परिक्रमा में गये नर्मदा भक्तों ने अपने-अपने अनुभव साझा किये और अगले वर्ष की परिक्रमा में बढ़-चढ़कर भाग लेने की बात कही। दानदाताओं एवं सहयोगकर्ताओं का तिलक वंदन कर उन्हें अंग वस्त्र भेंट किये गये प्रशासनिक रूप से जिन्होंने सहयोग किया उन्हें भी सम्मानित किया गया इनमें विशेष रूप से होमगार्ड के सैनिक एवं एसडीईआरएफ के जबान एवं अधिकारी शामिल थे। नर्मदा परिक्रमा में एक ओर जहां 90 वर्ष से ऊपर की महिलाओं ने पैदल परिक्रमा की तो वहीं नन्हें-मुन्हें बच्चे भी परिक्रमा में शामिल रहे एक बालिका जिसके एक पैर में प्लास्टर बंधा था वह भी पूरी परिक्रमा के दौरान पैदल ही चली और अन्य बुजुर्गो को जो परिक्रमा में शामिल रहे मंच से विशिष्ट अतिथियों द्वारा एवं साधु-संतों द्वारा सम्मानित किया गया। परिक्रमा क्षेत्र में पड़ने वाली ग्राम पंचायतों के पंचायत प्रतिनिधियो एवं ग्रामवासियों का भी कार्यक्रम में सम्मान किया गया।

मधुमक्खी संरक्षण के लिए जीवन खपाने वाले हनी मेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

आज पुरे संसार में जगह जगह मधुमक्खी से जुड़े कार्यक्रम किये जा रहे है वही मध्यप्रदेश में हनी मेन के रूप में पहचान बना चुके मंडला के निशार कुरैशी पिछले सत्ताईस वर्षो से मधुमक्खी संरक्षण एवं शहद निकालने की विनाशकारी पद्धति के विरुद्ध वैज्ञानिक विधि से शहद निकालना सिखा रहे है। मंडला जिला में भंवर मधुमक्खी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। जिले के आलावा प्रदेश एवं अन्य प्रदेश में भी इनके द्वारा शहद निकालने एवं मधुमक्खी संरक्षण के लिए लगतार प्रयास किये जा रहे है।

निशार कुरैशी बताते है कि मधुमक्खी संरक्षण से कृषि एवं जंगलो के विभीन्न प्रकार के फूलो का परागीकरण लगभग अस्सी प्रतिशत मधुमक्खियों के द्वारा ही होता है, इसलिए महान वैज्ञानिक अलबर्ट आइन्स्टीन का ये कथन सही साबित हो जायेगा की अगर दुनिया से मधुमक्खी समाप्त हूँ गई तो लगभग चार वर्षो में मानव जाति खतरे में पढ़ जाएगी ।पुरे विश्व में मधुमक्खी दिवस के माध्यम से लोगो में जन जागरूकता फैलाना अति आवश्यक है।

हनी मेन निशार कुरैशी अपनी टीम के साथ शहर में भंवर मधुमक्खी की कॉलोनी लगाने पर हनी हंटर के सहयोग से पूरी कॉलोनी को घरों एवं अन्य जगहों से निकलकर जंगलो में शिफ्ट कर दिया जाता है। इससे अधिकांश मधुमक्खी सुरक्षित रहती है और हनी हन्टर्स को आर्थिक लाभ भी दिला देते है। अपने सत्ताईस वर्ष के कार्यकाल में लगभग छह हजार से अधिक लोगो को प्रशिक्षित कर चुके है। ये बताते है कि जब भंवर मधुमक्खी अपना जीवन बड़ी शान से जी रही है तो मधुपेटी में पलने वाली मधुमक्खी का जीवन क्यों नहीं बच सकता? मवई, बिछिया मंडला नारायण गंज एवं नैनपुर ब्लाक में मधुमक्खी पालन का कार्य किया जा सकता है जिससे सैकड़ो लोगो को रोजगार मिलेगा। मधुमक्खी पालन कार्य मेरे भविष्य का ड्रीम है जिसके लिए जिला एवं मध्यप्रदेश शासन से सहयोग की उम्मीद है। प्रेस के माध्यम से वे अपील करते है कि लोग मधुमक्खी संरक्षण के लिए आगे आये और लोगो को भी जागरूक करे।

खबर संक्षेप

विकास खण्ड प्रबंधन ईकाई की बैठक आयोजित

गाडरवारा। स्थानीय पीएमश्री शासकीय कन्या नवीन उ मा विद्यालय में साईंखेड़ा ब्लॉक अंतर्गत विकास खंड प्रबंधन ईकाई की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक को संबोधित करते हुए विकास खंड स्त्रोत समन्वयक संदीप स्थापक द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तक वितरण योजना, नवीन सत्र में नामांकन, जर्जर एवं मरम्मत योग्य शालाओ की जानकारी, एफएलएन मॉनिटरिंग, एफएलएन के लक्ष्य, निष्ठा प्रशिक्षण, सीखने की गुल्लक, स्वयं सिद्धि चैट के माध्यम से प्रश्नोत्तरी हल कराना, कक्षा पाँचवी एवम आठवी वार्षिक परीक्षा में ई ग्रेड निदानात्मक कक्षाओं के संचालन एवं आमगांव छोटा के बालिका छात्रावास में छात्राओं का प्रवेश कराने संबंधी निर्देश दिए। बैठक में बीएसी योगेंद्र झारिया द्वारा पीएम पोषण आहार संबंधित खाद्यान्न उठाव सहित यू डाइस पोर्टल अंतर्गत स्टूडेंट्स संबंधित विस्तृत निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में बीएसी एवं नवभारत साक्षरता के सहसमन्वयक पवन राजौरिया द्वारा सामाजिक चेतना केंद्रों के विधिवत संचालन, सामाजिक चेतना केंद्र की पंजी के अद्यतन, एवं असाक्षरों के सर्वे में निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर चर्चा की गई। इस बैठक में समस्त जन शिक्षकों ने अपनी सहभागिता दी। बैठक का आयोजन जिला परियोजना समन्वयक आर के चतुर्वेदी के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में हुआ।

एनटीपीसी ने 'स्वच्छता पखवाड़ा 2024' के तहत रेलवे स्टेशन पर चलाया विशेष अभियान

गाडरवारा। एनटीपीसी गाडरवारा द्वारा भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार स्वच्छ भारत मिशन के तहत बीते हुये 16 मई से 31 मई 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के तहत गाडरवारा रेलवे स्टेशन प्रबंधन द्वारा आवश्यकताओं के अनुसार, स्टेशन के आस पास स्वच्छता और सफाई के लिए एनटीपीसी गाडरवारा ने अपना योगदान दिया। वही बताया जाता है कि एनटीपीसी द्वारा रेलवे स्टेशन पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया तथा रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर साफ़ सफाई भी की गई और साथ ही साथ मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों को ध्यान में रखते हुए कीटनाशक का छिड़काव किया गया। इस कार्यक्रम में संदीप खुशालराव साखरे वरिष्ट प्रबंधक (मानव संसाधन), संजय कुमार सहायक प्रबंधक (टाउनशिप ऐडमिन), रितेश कुमार राय कार्यपालक (नैगम सामाजिक उत्तरदायित्व) के आलवा अन्य वरिष्ठ एनटीपीसी अधिकारी भी मौजूद थे। बताया जाता है कि इसके अतिरिक्त स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान एनटीपीसी गाडरवारा में विभिन्न प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है।

ग्रामीणों को पता ही नहीं चल पता और खत्म हो जाती है शासन की योजनाएं

सालीचौका। जहां एक ओर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार की जनकल्याणकारी योजनाए चला रही है,वही दूसरी ओर देखा जावे तो पंचायतों में बैठे जनप्रतिनिधियों तथा पंचायत के कर्मियों की उदासीनता तथा मनमानी के चलते ज्यादातर ग्राम पंचायतो की हालत खराब है? जिसके उदाहरण जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली अनेक पंचयातों में आसानी से देखने को मिल सकते है। जहां पर बताया जाता है कि जनपदो में बैठे बाबूओं व ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों की मनमानी का शिकार होकर यह शासन की योजनाएं हितग्राहियों तक पहुचने के पहले ही दम तोड़ने से नही चूक पाती हैं?

हर बुधवार को सांईखेड़ा में बनती जाम की स्थिति किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की आशंका

साईंखेड़ा। क्षेत्र की सड़को पर जिस प्रकार से तेज गति से दौड़ रहे वाहनों के चलते आये दिन घटित हो रही घटनाओं के चलते आमजन की जिन्दगी को खतरे में देखा जा रहा है तो दूसरी ओर लगातार नियम विरूद्व चलने वाले ट्रेक्टरों की भूमिका अहिम तौर से देखने मिल रही है? यदि इन नियम विरूद्व चलने वाले बडे बडे हाईवा, डम्फर, बस , पिकप, आटों सहित ट्रेक्टर ट्रालियों से घटना घटित हुई घटनाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुए वर्षो इन बेलगाम गति से दौड़ने वाले वाहनों के चलते अनेक लोगों की जाने जा चुकी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र की जनता संचालन पर चिंता व्यक्त करते हुए पुलिस को इनके परिचालन पर अंकुश लगाये जाने की बात कही गई थी और इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीते कुछ वर्ष पहले जिले के तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा भी अपनी गंभीरता का परिचय देते हुए इन ओवर लोड वाहनों के चलन पर रोक लगाने के आदेश दिये गये थें। मगर इस वर्ष इस प्रकार की सोच न तो क्षेत्र के जिम्मेदार नेताओं की देखी जा रही है और न ही प्रशासनिक अधिकारियों की जिसके चलते क्षेत्र की सड़कों पर धडल्ले से नियम विरूद्व ओवर लोड डम्फरों से लेकर ट्रेक्टर ट्राली दौड़ते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर यदि गौर किया जावे तो क्षेत्र के पुलिस अधिकारियों को पता नही इन ओवर लोडिंग वाहनो का संचालन करने वाले लोगों से इतनी हम दर्दी क्यों है कि वर्तमान में आये दिन इन वाहनों से घटित होने वाली घटनाओं की नजर अंदाज करते हुये इन्हे छूट प्रदान की जा रही है यह निश्चित ही चिंता जनक सच्चाई को उजागर करने से नही चूक पा रहा है? इस प्रकार से नगर के पुलिस थाने के ठीक सामने से प्रतिदिन सैकड़ा की संख्या में ओवर लोड वाहन पुलिस को वाय वाय करते हुए निकल रहे इन ओवर लोड वाहनों को देखते हुए यह जान पड़ रहा है कि शायद पुलिस को आम जनता की जिन्दगी से कोई लेना देना ही नही रह गया है। क्योंकि बाहर से आये हुए लोगों द्वारा क्षेत्र की सड़को पर नियम विरूद्व ओवर लोडिंग करते हुये अपने वाहनों का संचालन किया जा रहा है उनके प्रति पुलिस की हम दर्दी जहां चर्चा का विषय बनी हुई है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो पुलिस द्वारा नियमों को दर किनार करते हुए इस प्रकार से ओवर लोडिंग वाहनों का संचालन करने वाले लोगों को अभयदान प्रदान किया जा रहा है उससे यह जान पड़ने लगा है शायद यह सब लक्ष्मी जी का ही कमाल है जिसके चलते पुलिस द्वारा यातायात के नियमों को अनदेखा किया जा रहा है? क्योंकि यातायात नियम के अनुसार किसी भी ट्रेक्टर में डबल ट्राली या फिर डम्फर में निर्धारित मात्रा से अधिक पट्टी लगाकर चलना जहां नियम विरूद्व माना जाता है। मगर इसके बाद भी देखा जा रहा है क्षेत्र की सड़कों पर इस प्रकार से नियम विरूद्व दौड़ने वाले वाहनों को सड़को पर दौड़ते हुये देखा जाना आम बात हो चुकी है जो आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा बनने से नही चूक पा रहे है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो यहां पर प्रति सप्ताह लगने वाले साप्ताहिक बाजार में आने वाले लोगों की जिन्दगी भी पूर्णरूप से खतरे से भरी पड़ी हुई जान पड़ रही है? बताया जाता है कि यहां पर स्टेट हाइवे 44 साईंखेड़ा सिलवानी-गाडरवारा मार्ग बनने के बाद जहां वाहनों की आवाजाही में इजाफा हुआ है। वही दूसरी ओर इस मार्ग यानि की नगर के मुख्य बाजार से बडे बड़े वाहनों के आलवा ओवर लोड़िग करते हुये वाहनों निकलने के कारण लोगों के लिए परेशानी का कारण भी साबित होते हुए जान पड़ रहा है। क्योंकि साईंखेड़ा में प्रति बुधवार को लगने बाले साप्ताहिक हाट बाजार के दिन यहां पर जहां बड़े वाहनों के निकलने के कारण जाम की स्थिति बनी रहती है तथा यह ओवर लोडिंग वाहन आग में घी का काम करते हुए जान पड़ते है? वही दूसरी ओर सड़क किनारे दुकान लगाने वाले के साथ साथ आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा भी बना हुआ है। देखा जा रहा है कि वर्तमान में संपूर्ण क्षेत्र में ओवर लोडिंग वाहनों की भरमार रहती है जिसके चलते मुख्य बाजार में जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। वही लोगों की जान के लिए खतरा भी बन रहा है। इस सच्चाई को लेकर लोगों का कहना है कि जब तक मुख्य मार्ग पर साप्ताहिक हाट बाजार लगेगा यह समस्या खत्म होने बाली नही है और इसको लेकर शासन प्रशासन से अनेकों बार गुहार लगाते हुए मांग की जा चुकी है कि साप्ताहिक बाजार के दिन यहां पर भारी वाहनों के आने जाने पर प्रतिबंध लगाया जाए मगर प्रशासन द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से यह जान पड़ रहा है कि शायद प्रशासन किसी बड़ी घटना का अंतजार कर रहा है? यह पर लगने वाले बाजार के मौके पर कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखने मिलती है कि पुलिस के वाहन भी इस जाम की स्थिति में फंस जाने के कारण प्रमुख स्थल पर पहुंचने में काफी देर कर देते है। इस सच्चाई को देखते हुए अब सबाल यह उठता है कि यदि इसी तरह आवश्यक सेवाओं वाले वाहन जाम में फंसे रहे तो किसी दिन कोई गंभीर घटना घटित होती है तो वहां पर क्या हाल होगा? इस तहर से यहां पर आये दिन बन रही जाम की स्थिति को देखते हुए जहां पुलिस प्रशासन भी उदासीन नजर आ रहा है। वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी पर भी खतरे की घंटी बजाते हुए देखी जा रही है? क्योंकि इस मार्ग से जहां भारी भरकम वाहनों का निकलना होता है। क्योकि साईंखेड़ा से भोपाल, सागर ,सिलवानी, विदिशा के लिये जाने बाले बड़े ट्रक एवं कई पहियों बाले ट्राला दिन और रात में निकलते हैं जो मार्ग इस मार्ग को तो क्षति पहुंचा ही रही है साथ ही साथ आम लोगों की जिन्दगी पर खतरे की घंटी भी बजाते हुए देखे जा रहे है? लोगों का कहना है कि यदि समय रहते शासन प्रशासन द्वारा इस ओर ध्यान नही दिया गया तो निश्चित तौर से किसी भी कोई बड़ी घटना घटित होती है

हवन पूजन सहित भंडारे के साथ हुआ संगीतमय भागवत पुराण का समापन

गाडरवारा। समीपस्थ ग्राम शाहपुर में धमनी वाले चौधरी ममार परिवार द्वारा संपन्न कराये गये संगीतमय श्रीमद भागवत कथा के चलते सात दिन तक संपूर्ण ग्रामवासियों में आयोजन को लेकर विशेष उत्साह देखने मिला तो दूसरी ओर भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन सुनने के लिय जिस तरह प्रतिदिन सूरज की तपन की परवाह किये बगैर ही महिला व पुरूषों की भीड़ उमड़ते हुये देखे जाने से आयोजन स्थल ने मानों मथुरा नगरी का ही रूप धारण कर लिया गया हो..? वही दूसरी ओर कथा वाचक पंडित सूर्यकांत शास्त्री साकेत धाम दिल्हेरी वालों द्वारा जिस तरह भगवान श्रीकृष्ण की लालाओं का वर्णन अपनी अमृतमय भरी वाणी के द्वारा सुनाया गया तो सभी ग्रामवासी भाव विभोर होने से नही चूक पा रहे थें। इस तरह कथा के अंतिम दिवस शनिवार को कथा वाचक महाराज जी द्वारा भगवान की लीलाओं का वर्णन सुनाया जा रहा था उसके चलते मौजूद भक्तों में भक्ति रस का अनोखा संचार दौड़ते हुये तो देखा जा रहा था। मगर मौजूद भक्तों सहित आयोजन कर्ताओं के चेहरों पर इस बात की साफ मायूसी दिखाई दे रही थी कि आजा के बाद इस आयोजन के समाप्त होते ही जिस तरह संपूर्ण गांव में सूनापन देखने मिलेगा उसका सामना करना निश्चित तौर से मुश्किलों भरा होने से नही चूक पायेगा? वही दूसरी कथा वाचक के रूप में पधारे पंड़ित सूर्यकांत शास्त्री के चेहरे पर भी आयोजन कर्ताओं से लेकर श्रोताओं से जुदा होने का दुख चेहरे पर देखने मिल रहा था। क्योंकि जब किसी आयोजन के दौरान जब अलग अलग जगहों पर रहने वाले लोग एकत्र होने के बाद किसी भी कार्य को मिलकर संपन्न करते हुये तो निश्चित तौर से उनके बीच अपने पन का एक अनोखा भाईचारा स्थापित होने से नही चूकता है और जब दूसरे होने की घडी समीप आती है तो जुदाई का दर्ज चेहरों पर स्पष्ट होते हुये देखा जाने लगा है। इसी प्रकार से अंतिम दिवस कथा समापन के बाद जब भगवान की आरती की गई तो सभी भक्तों के चेहरों पर उदासी देखने मिल रही थी। वही दूसरी ओर लगातार सात दिन तक चले इस संगीतमय कार्यक्रम का समापन विशेष हवन पूजन के साथ संपन्न हुआ और रविवार को कन्या भोज सहित आयोजित भंडारें में सैकडो लोगों ने शामिल होकर प्रसादी ग्रहण की गई। इस तरह कथा समापन के आवार आयोजन कर्ताओं द्वारा कथा वाचन पंडित सूर्यकांत शास्त्री साकेतधाम दिल्हैरी वालों का पूजन अर्चन करते हुये

बंदरों की दहशत से गांवों में मचा हाहाकार

गाडरवारा। वर्तमान में क्षेत्र के गांवो के किसानो की विकसित हो रही मूंग, गन्ना सहित अन्य फसलों को जंगली सुअर और आवारा जानवर तबाह कर रहे। वही गांवो में झुंडो में उछल कूंद कर रहे बंदरो की दहशत से शहर के नजदीक के गांवो में हा हा कार मचा हुआ है, किसानों ने बताया कि उनके खेतों में लगी हुई मूंग व गन्ने की फसल को जंगली सुअरों से अधिक बंदर नुकसान पहुँचा रहे है। इस समय पड़ रही भीषण गर्मी के चलते जहां जंगल में जल स्त्रोत सूख जाने के कारण अनेक प्रकार के जंगली जानवर गांवों की ओर रूख करते हुये देखे जा रहे है। इस हालत में उन्हें किसानों के खेतों में हो रही सिंचाई के चलते जहां पीने के लिये पानी उपलब्ध हो रहा है तो दूसरी ओर ठंडक रहने के कारण वह वही पर अपना आसियाना बनाने से नही चूक रहे है। इस हालत में किसानों की गन्ना फसल को यह जंगली जानवर चौपट करने में देर नही करते है। वही दूसरी ओर जब किसान अपनी फसल की सुरक्षा करने के लिये पहुंचते है तो जंगली सुअर हमला करने से भी नही चूक रहे है। इस स्थिति के चलते किसानों को आर्थिक नुकसान उठाने मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों का कहना है कि गांवों में बंदरो के आतंक को खत्म करने वन विभाग के अधिकारियों से कई बार गुजारिश की गयी। किंतु अभी तक वन विभाग की ओर से जंगलों से पलायन कर गांवों में बंदरो पर अंकुश लगाने की दिशा में कदम नहीं उठाया गया, जिसका परिणाम है कि फिलहाल बंदरो से लेकर जंगली सुअर व अन्य वन्य प्रणाली किसानो की फसलों को नुकसान पहुँचा रहे है।

बिजली विभाग की उदासीनता से पड़ सकती हो लोगों की जिन्दगी खतरे में

हरिभूमि न्यूज/चीचली। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाने के बाद अधिकारियों द्वारा घटित होने वाली घटना की सच्चाई छिपाने के लिये अनेक प्रकार के बहाने बनाने से नही चूकते है मगर यदि समय रहते हुये सचेत होकर स्थिति में सुधार किया जावे तो निश्चित तौर इस प्रकार की घटनाओं को घटित होने से रोका भी जा सकता है? क्योंकि सच्चाई से अवगत होने के बाद भी उदासीन कार्य प्रणाली का परिणाम ही होता है कि बड़ी घटनाएं जन्म लेने से नही चूकती है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली के कुछ वार्डो में देखने मिल रही है जहां पर लगे हुये वर्षो पुराने बिजली के लोहे खम्बे इस स्थिति में पहुंच चुके है कि वह अपने जमीनी स्तर के भाग से पूर्णरूप से टूटने की कगार पर पहुंच जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा इस ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने से यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि यदि जंग के शिकार हुये इस खम्बों पर जिस प्रकार से बिजली विभाग द्वारा विद्युत लाईन का संचालन किया जा रहा है वह किसी दिन गिरने के कारण आसपास रहने वाले लोगों की जिन्दगी के लिये बड़ा खतरा का कारण बन सकते है? इस सच्चाई को लेकर बिजली विभाग को अवगत कराये जाने के बाद भी बिजली विभाग द्वारा ध्यान न देना निश्चित तौर से चिंता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये जान पड़ रहा है।

दलालों का बोल बाला होने से अव्यवस्थाओं का शिकार हो रहा है नगर का मवेशी बाजार

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जिस प्रकार से प्रति रविवार को नगर में लगने वाला मवेशी बाजार सिर्फ जिले में ही नही बल्कि दूसरे जिलों में भी प्रसिद्व हो चुका है, जिसके चलते प्रत्येक रविवार को यहां पर दूर के व्यापारी पहुंचकर मन पसंद मवेशी खरीदने के लिए आते है। मगर कुछ समय से यह बाजार लगातार दलालों के चंगुल में आ जाने के कारण सीधे साधे व्यापारियों के लिए सिर्फ परेशानी का कारण ही नही बल्कि अव्यवस्थाओं का शिकार भी हो रहे है? यदि इस मवेशी बाजार की सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को यहां पर बेचने के लिए लाते है। मगर बाजार में मौजूद दलालों के चलते लोग अपने मवेशी को मन के मुताबिक कीमत पर नही बेच पाते है यदि किसी व्यक्ति को कोई मवेशी खरीदना या बेचना होता है तो वह दलालों के माध्यम से ही खरीद या विक्री करने के लिए मजबूर होता हुआ दिखाई दे रहे है। इस स्थिति के चलते जहां पशु मालिकों को उनका सही दाम नही मिल पा रहा है वही दूसरी ओर देखा जाता है कि जब कोई व्यक्ति दलालों के अनुसार अपने मवेशी की खरीदी या बिक्री नही करता है तो दलाल नुमा लोग उन्हें परेशान करने से भी नही चूकते है? इस सच्चाई को लेकर जहां यह बाजार अपना आस्त्वि खोते हुए दिखाई देने लगा है, वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि इस बाजार में पुलिस की तैनाती नही रहने की स्थिति में कुछ दलाल नुमा लोगों द्वारा खुलेआम पुलिस के नाम पर मवेशी परिवहन करने वाले लोगों से अवैध बसूली करते हुए दिखाई दे रहे है? जिसकी सच्चाई बीते हुए बाजार में भी देखने मिली है। बताया जाता है कि जहां क्षेत्र के किसान अपने मवेशियों को बेचने के लिए वाहनों के माध्यम से लाते है उन किसानों से भी कुछ लोगों से अपना पुलिस के बीच प्रेम प्रसंग का बास्ता देते हुए पुलिस के नाम पर अवैध बसूली करते हुए आसानी से देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर कुछ इस प्रकार के व्यापारी भी है जो बाजार से थोंक में बूढे मवेशी खरीदने के बाद उन्हें कसाई घरों ले जाने के लिए उन्हें अपने वाहनों में कूरूरता पूर्वक भर कर ले जाने से नही चूकते है, इस प्रकार के लोगों को कुछ लोगों द्वारा पुलिस से पूरी सुरक्षा का जिम्मा लेने का भरोसा दिलाते हुए उनका नियम विरूद्व परिवहन कराने से भी नही चूक रहे है? पहले देखा जाता था कि जब इस मवेशी बाजार में पुलिस की डियूटी रहती थी तो मवेशियों का अवैध रूप से करूरता पूर्वक परिवहन करने वालों की गतिविधियों पर अंकुश लगा हुआ था, मगर अब घोषित रूप से पुलिस की डियूटी नही रहने के कारण कुछ दलालों द्वारा इस प्रकार से कूरूरता पूर्वक पशुओं को ले जाने वालों से पुलिस के नाम पर पैसा बसूलते हुए पुलिस की कार्य प्रणाली पर दाग लगाने से नही चूक रहे है? इस प्रकार से प्रति रविवार को देखा जाता है कि नगर के मवेशी बाजार में मवेशियों का क्रय विक्रय कराने से लेकर उनका परिवहन कराने का जिम्मा लेने की बात करते हुए खुलेआम अवैध बसूली करते हुए देखे जा रहे है? इसी का परिणाम है कि गाडरवारा क्षेत्र में फिर पशुओं की कुरूरता पूर्वक परिवहन की गतिविधियाँ नजर आने लगी है तथा शहर सहित क्षेत्र के आसपास अनेक जगहों से पशुओं को खुलेआम वाहनों में कुरूरता पूर्वक भरा जा रहा है? इस प्रकार से पुलिस के नाम पर दलाल नुमा लोगों द्वारा की जा रही अवैध बसूली की सच्चाई को लेकर पुलिस की भूमिका भी संदिग्ध बनते हुये नजर आने से नही चूक पा रही है?

नगर में जहां तहां लगे अवैध होर्डिंग्स लगा रहे नगर की सुन्दरता को ग्रहण, मा. न्यायालय के आदेश के बाद भी नहीं हो पा रही कार्यवाही?

गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि जहां क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर में विकास की गंगा बहाते हुए नगर की सुन्दर बनाने में लगे हुए है। मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर में जहां तहां लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते होडिंग्स लगाते हुए नगर की सुन्दरता को ग्रहण लगाया जा रहा है? जबकि गौर किया जावे तो विगत कुछ समय पूर्व मा. उच्च न्यायालय द्वारा इस प्रकार से शहरों में जहां तहां लगे हुए होडिंग्स पर नपा प्रशासन को आदेश देते हुए कार्यवाही किये जाने का आदेश जारी किया गया था, जिसके चलते शुरूआती तौर पर तो नपा प्रशासन द्वारा नगर में जहां तहां लगे हुए होडिंग्सों पर कार्यवाही करते हुए उन्हें हटा दिया गया था। मगर चंद दिनों बात पुनः देखा जा रहा है कि लोगों द्वारा उन्हें स्थानों पर फिर अपने होडिंग्स खड़े कर दिये गये है, जिसके चलते जहां नगर की सुन्दरता को ग्रहण तो लग ही रहा है? कुछ इसी प्रकार से बीते हुये दिनों जिला कलेक्टर द्वारा फिर इस तरह सड़क किनारों पर लगे हुये होडिग्सों को हटाने के लिये आदेश दिये जाने के बाद जिला मुख्यालय पर तो यह कार्यवाही होते हुये देखी जा रही है। मगर शहर में अभी तक इस आदेश को लेकर प्रशासन की चुप्पी सबाल खड़े करते हुये देखी जा रही है। वही दूसरी ओर सड़कों के किनारे नियम विरूद्व लगे हुए होडिग्सों के चलते आम लोगों के लिए परेशानी का कारण भी बन रहे है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो अनेक जगहों पर लगे हुए बड़े बडे होडिग्सों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि सड़कों पर यह सामने दिखाई देने वाली जगह को इस प्रकार से घेर लेते है कि वाहन चालक को सामने से आने वाला वाहन ही दिखाई नही देते है जिसके चलते सड़क दुर्घटनाओं की स्थिति निर्मित होने से इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नगर में जहां तहां खड़े हुए अवैध होडिग्स को लेकर लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए तो मजबूर होना ही पड़ रहा है? वही दूसरी ओर देखा जावे तो नगर की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर जहां मन में आता है वहां पर होडिग्स लगाते हुए जहां लोगों से किराया बसूला जा रहा है जिसके चलते नगर की सुन्दरता बिगड़ रहे है। जबकि बताया जाता है कि कही पर होडिग्स लगाने के लिए नियमानुसार नपा से अनुमति ली जाती है। मगर इस समय नगर में अनेक जगहों पर देखा जा रहा है कि बगैर अनुमति के जहां तहां होडिग्स खड़े हुए है? वही दूसरी ओर यदि नपा प्रशासन की कार्य प्रणाली पर गौर किया जावे तो इस ओर नपा द्वारा भी किसी प्रकार से ध्यान नही दिये जाने का परिणाम है कि अवैध होडिग्स की भरमार देखने मिल रही है।

निजी शालाओं में सुविधाओं की कमी, शिक्षित बेरोजगारों का धडल्ले से हो रहा शोषण फिर भी प्रशासन मौन

गाडरवारा। नगर सहित संपूर्ण क्षेत्र में शिक्षा के नाम पर लोगों द्वारा जिस प्रकार से दुकानदारी चलाई जा रही है उससे बच्चों का भविष्य बनना कम और स्कूल संचालको का निजी स्वार्थ ज्यादा ही नजर आ रहा है? क्योंकि शहर के साथ साथ ग्राम क्षेत्रों में दिन दिन ऊंग रही शिक्षण संस्थाओं की सच्चाई पर गौर किया जावे तो वह स्कूल शिक्षा विभागों के नियमों के विरूद्ध स्थापित सुविधाहीन शालायें शिक्षा के नाम पर व्यवसाय करने में जुटी हुऱ्इं हैं? इस प्रकार के विद्यालयों में मूलभुत सुविधाओं अलावा विशेषज्ञ शिक्षकों एवं खेल मैदानों का अभाव एक विकट समस्या बना हुआ है। जिसका प्रभाव छात्रों पर पड़ रहा है, शहर में स्थापित निजी शालायें मात्र शिक्षा की दुकान बनकर रह गई हैं? ऐंसी दुकाननुमा शालाओं की शिक्षा हमारे होनहारों पर क्या असर छोड़ेगी इससे सभी अंजान नहीं हैं? शिक्षा की दुकान बनी निजी शालाओं को बढ़ावा देने में पालक भी कम दोषी नहीं हैं क्योंकि वे जानबूझकर निजी शालाओं के आकर्षण में पड़कर बच्चों का दाखिला करवा देते हैं और बाद में पछताते हैं। इस समय नगर के आलवा ग्रामीण क्षेत्रों में देखा जावे तो ऐसी अनेक शिक्षण संस्थायें हैं जहाँ पर मात्र 10 वीं से 12 वीं पास युवक युवती अल्प वेतन मानदेय पर शिक्षक के रूप में सेवाये देकर बेरोजगारी के समय में शोषित हो रहे हैं, इन निजी शालाओं में ना तो छात्र-छात्राओं को पीने के लिये शुद्ध पेयजल, पेशाबघर, शौंचालय, खेल मैदान व बैठने के लिये हवादार कमरे भी नहीं हैं, नगर में ऐसी कई शालायें तो किराये के रहवासी मकानों में लग रहीं हैं इसके बाद भी शिक्षक संस्थाओं के संचालक पालकों से सभी व्यवस्थाओं के नाम पर मनमानी फीस वसूल रहे हैं। वही कुछ स्कूलों के संचालको बात करे तो वह गांव में इस प्रकार से अग्रेजी स्कूलों का संचालन कर रहे है, जिन्हे खुदे तो अग्रेजी आती नही है और वह बच्चों को शिक्षा देने वाले शिक्षकों का संचालन करने बैठे हुए है? क्या इन स्कूलों में बच्चों द्वारा दी जाने वाली फिस के मुताबिक पढ़ाई हो पायेगी? पालकों को चाहिये कि वे शिक्षण सत्र शुरू होने के पूर्व अपनी जागरूकता का परिचय देते हुये पूर्ण नियम कानून से चलने वाली शालाओं में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाये जिससे उनका भविष्य सँवर सके तथा शिक्षा विभाग से अपेक्षा की जाती है कि गाजर घास की तरह उग आऱ्इं शिक्षण संस्थाओं की जाँच करे जो नियमों को दर किनार करके जेबें भरने में लगे हुऱ्इं हैं,विदित हो कि शिक्षण संस्थाओं में बच्चों को खेलने के लिये निश्चत भूखंड का मैदान होना जरूरी है किंतु यहाँ जो देखने में आ रहा है उससे स्पष्ट रूप से लग रहा है कि शिक्षण संस्थाओं के नाम पर मात्र पैसा कमाया जा रहा है, किराये के मकानों में संचालित होने वाली अग्रेजी माध्याम की एक संस्था का तो यह है हाल है कि ग्रामीण क्षेत्रों से बच्चों वाहन सुविधा के नाम पर पैसा लिया जा रहा है, और उसी वाहन में खुलेआम दिन भर सवाली ढ़ोई जा रह है, उन्ही के साथ बच्चों को भी भेड़बकरी की तरह बैठाकर घर पहुंचा दिया जाता है,यदि इस प्रकार की संस्थाओं की ईमानदारी से जांच हो जावे तो फीस बसूली जाती है उतनी सुविधाएं नजर नही आ रही है।

खबर संक्षेप

संस्कार समर कैंप में बच्चों ने देखी तारे जमीं पर

डिंडौरी। संस्कार समर कैंप के तहत आज आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में बच्चों को ष्तारे जमीं परष् मूवी दिखाई गई। समर कैंप में प्रति संडे मूवी डे के तहत बच्चों को शिक्षाप्रद मूवी दिखाई जाती है। जिससे बच्चों को मनोरंजन के साथ साथ अच्छी शिक्षा मिल सके। बच्चे अपने भविष्य के प्रति जागरूक रहें, अपने उज्जवल भविष्य का निर्माण कर सकें। ऐसी शिक्षाप्रद मूवी देख जीवन में हमेशा नेकी की राह पर चलें।

28 मई को एक दिवसीय बेविनार का आयोजन

डिंडौरी। शासकीय महाविद्यालय बजाग में 28 मई को एक दिवसीय ऑनलाईन राष्ट्रीय बेनिनार का आयोजन किया गया है जिसका मुख्य शीर्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति और व्यवसायिक पाठ्यक्रम है इससे संबंधित अन्य विषयों पर भी शोध पत्र आमंत्रित हैं। शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि 25 मई रखा गया है। संस्था प्राचार्य डॉ मनोज कुमार कुशवाहा ने जानकारी दी है कि शासकीय महाविद्यालय बजाग द्वारा आयोजित एक दिवसीय ऑनलाईन राष्ट्रीय बेविनार में शोध पत्र भेजने के लिए संयोजक डॉ दुर्गा प्रसाद गुप्ता से 7000417111, 7879705793 मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है।

मां नर्मदा तट की गई साफ-सफाई

डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा के मार्गदर्शन के प्रति रविवार को प्रातः ष्मैयाष अभियान के तहत मां नर्मदा नदी और तटों की साफ-सफाई की जाती है। इसी क्रम आज भी प्रातः मैया अभियान में शामिल हो सभी लोगों ने उत्साह दिखाया, सभी ने 'भवतारिणी मंदिर घाट' में साफ-सफाई कर जिले के नागरिकों को स्वच्छता का संदेश दिया है। उक्त स्वच्छता अभियान में समाजसेवी, आमजन और अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

पृथ्वी सेना हर रविवार कर रही वृक्षारोपण

डिंडौरी। डिंडोरी जिले के विकासखंड अमरपुर में ग्राम चांदपुर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर पृथ्वी सेना विगत 3 वर्षों से लगातार हर रविवार वृक्षारोपण कर उनके देखरेख का कार्य कर रही है । पृथ्वी सेना दो लोगो जितेश शुक्ला और नयन शुक्ला के द्वारा शुरू की गई। 3 वर्षों में पृथ्वी सेना के द्वारा हजारों की संख्या में पौधे रोपे गए हैं और उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी निभाई जा रही है।पृथ्वी सेना द्वारा विशेष रूप से पीपल और बरगद के पौधे लगाए जाते हैं क्योंकि ये पौधे लोगो की आस्था से जुड़े होते हैं जिसके कारण इनकी सुरक्षा में मदद के साथ साथ इनके आस पास साफ सफाई भी सुनिश्चित हो जाती है।। जल संरक्षण एवम वनों की रक्षा के लिए चेतना जगाने में पृथ्वी सेना को चारों तरफ से जबरदस्त समर्थन और सहयोग मिला है । पृथ्वी सेना में अब सदस्यों की संख्या 300 हो गई है। वृक्षों और जंगलों की कमी का परिणाम अब हर जिले और हर गांव में जल संकट और बढ़ते तापमान के रूप में दिखने लगा है । इस रविवार नन्हे बच्चों ने भी पौधो को पानी देने में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया । इस अवसर पर पृथ्वी सेना अध्यक्ष जितेश शुक्ला ,अर्पित तिवारी,अजेंद्र सैयाम ,,पंकज तिवारी ,यश तिवारी,टाकेश्वर हरदहा,आकाश,नयन राहुल,बेटू,सदन ,अंकित ,सुरेंद्र सैयाम, मदन,रामगोपाल ,चैनसिंह ,अंतराम आदि उपस्थित रहे। पृथ्वी सेना द्वारा जिलेवासियों से अपील की गई इस गर्मी जंगलों को आग से बचाने में अपना यथा संभव योगदान जरूर दे।

यूजी प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

डिंडौरी। सत्र 2024 25 हेतु उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार प्रवेश प्रक्रिया प्रदेश के सभी महाविद्यालय में प्रारंभ कर दी गई है, इसी संदर्भ में शासकीय महाविद्यालय बजाग में भी यूजी प्रथम वर्ष में प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं। प्रवेश प्रभारी सतीश कुमार वर्मा के द्वारा बताया गया कि इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया में कुछ बदलाव किए गए हैं इस बार प्रवेश हेतु आवेदकों को एबीसी रजिस्ट्रेशन, ईमेल आईडी, समग्र आईडी, आधार नंबर, मोबाइल नंबर, 10वीं 12वीं की मूल व ऑनलाइन अंकसूची, जाति संवर्ग, अधिभार, अन्य राज्यों के आवेदको को आवेदन हेतु विश्वविद्यालय से पात्रता प्रमाण पत्र, मूल निवासी प्रमाण पत्र, के साथ पहली बार अपने विधानसभा क्षेत्र की जानकारी भी देनी होगी।

मालवाहकों में यात्रा करने से जानमाल के नुकसान की चौपाल में देंगे जानकारी

अपील भी बनेगी जन चेतना का माध्यम

यातायात जागरूकता हेतु सामाजिक और सामूहिक जिम्मेदारी होगी तय

राजस्व और पुलिस की संयुक्त बैठक में निर्णय

जिले के सुदूर ग्रामीण इलाकों में मालवाहकों में सवारी भरकर लाने और ले जाने के कारण हो रही भीषण सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुये जिला प्रशासन और पुलिस ने हादसों में बढ़ रहे जान माल के नुकसान को रोकने की कवायद शुरू कर दी है।

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी।

इसी कड़ी में रविवार को पुलिस कन्ट्रोल रूम में राजस्व और पुलिस अधिकारियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता का आयोजन किया और दुर्घटनाओं से निपटने की कार्ययोजना बनाते हुये सभी के सुझाव सांझा किये।बैठक को संबोधित करते हुऐ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम ने बतलाया कि पूर्व में हुये सड़क हादसों के मद्देनजर सभी मार्गों पर संकेतक,ब्रेकर सहित अन्य जरूरी कार्य पूरे करवा लिये गये हैं।लेकिन माल वाहकों पर सवारी ढोने के कारण हो रही जनलेवा दुर्घटनाओं में इजाफा होने पर उन्होंने चिंता जाहिर करते हुये इस बाबद सामाजिक और सामुहिक साझेदारी पर बल दिया है।उन्होंने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात सुधार के प्रयासों की जानकारी भी दी।इस दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी राम बाबू देवांगन ने दूर दराज के क्षेत्रों में आवागमन के साधनों की कमी को स्वीकारते हुये बतलाया कि लोगों को माल वाहकों में सवारी नहीं करने हेतु स्वप्रेरित किया जावेगा।इस बाबद ग्राम स्तर पर चैपाल और जन संबाद कार्यक्रम आयोजित करके माल वाहकों में यात्रा से जान माल के नुकसान की जानकारी दी जावेगी।उन्होंने जिले की भौगोलिक संरचना,आर्थिक विषमता और जागरूकता की कमी को दूर करने कार्ययोजना में ग्राम स्तर पर प्रयास शुरू करने के संकेत दिये हैं।संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुऐ एसडीओ पी के के त्रिपाठी ने पुराने सड़क हादसों से सबक लेते हुये यातायात जागरूकता के लिये साप्ताहिक बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर गीत,मुनादी के माध्यम से अपील करने के निर्देश समस्त थानों को जारी किये हैं।उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सामाजिक संगठन,मीडिया और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों की जरूरत पर भी बल दिया है।उन्होंने शनिवार को बारात लेकर लौट रही मालवाहक के पलटने पर हुई मौत पर अफसोस जाहिर किया और जरा सी गलती से खुशी के अवसर को दुख में बदलने की घटना से नसीहत लेने भी कहा है।इस दौरान उपस्थित यातायात प्रभारी सुभाष उइके,प्रभारी रक्षित निरीक्षक अभिनय राय ने नौसिखिये चालकों,नशा का सेवन करके वाहन चलाने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

-50 के मुकाबले 18 का बल

जिले में ट्रैफिक व्यवस्था हेतु यातायात थाना में 50 से अधिक बल की जरूरत है।लेकिन आधे से भी कम मात्र 18 जवानों के बलबूते ही जिले में यातायात संचालित हो रहा है।इन गिने चुने जवानों के कंधों पर यातायात व्यवस्था, बाजार व्यवस्था, चैराहा, चालानी कार्रवाई, दुर्घटना सहित अन्य आधिकारिक कार्यों के निर्वाहन की जिम्मेदारी होती है।

5 लाख 55 हजार से अधिक समन शुल्क की बसूली

यातायात नियमों की अनदेखी पर ट्रैफिक अमले ने मार्च माह से 15 मई तक की स्थिति में ताबड़तोड़ कार्रवाई को अंजाम दिया है।इस अवधि में यातायात महकमे ने मोटर व्हीकल एक्ट की 25 विभिन्न धाराओं के तहत 1 हजार 90 चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करके 5 लाख 55 हजार 300 रुपया से अधिक का जुर्माना बसूल किया है।इनमें मालवाहकों में सवारी ठोने के 4 एवं शराब के सेवन करके वाहन चलाने के 3 प्रकरण न्यायालय में पेश किये गये।इन प्रकरणों पर राशि अलग से जमा कराई गई है।

भारी तूफान से गाड़ासरई में गाड़ी पर गिरा पेड़, बाल बाल बचे ड्राईवर और राहगीर

तेज हवा और पानी ने बदला मौसम का हाल

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

तहसील बजाग अंतर्गत थाना गाडासरई में अमरकंटक डिंडोरी मार्ग पर भारी तूफान आने से एक चलती हुई गाड़ी पर सड़क किनारे लगा बबूल का पेड़ गिर गया। इसके अलावा इसी हाइवे पर यू के लिपटिस के पेड़ भी गिरने से कुछ समय के लिए यातायात व्यवस्था बंद हो गई। हालांकि इस तरह के हादसे से किसी तरह के जन माल का नुकसान नहीं हुआ है। क्षेत्र में मौसम की करबट बदलने से अनेक स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। वहीं लोगों को गर्मी के मौसम में बरसात के चलते गर्मी से राहत मिली है।

दुर्घटना में पैर गंवाकर घर लौटे पीड़ित युवक को दी सहयोग राशि

दुर्गोत्सव समिति मेंहदवानी की सराहनीय पहल

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी।

विगत चार-पांच माह पूर्व सड़क दुर्घटना में घायल मेंहदवानी निवासी मिट्ठू लाल नागपुर से इलाज कराकर घर वापस लौटे हैं। इलाज के दौरान उनका वांए पैर को घुटने के ऊपर से काटना पड़ा है। चार-पांच महीने तक चले इलाज के कारण पीड़ित परिवार की आर्थिक स्थिति खराब हो गई है कारण कि इनके परिवार को कई लोगों से कर्ज लेकर इलाज करवाना पड़ा है। ऐसे में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति मेंहदवानी के सदस्य मदद के लिए आगे आए और अपने वांए पैर गंवाकर घर लौटे पीड़ित मिट्ठू लाल साहू के घर जाकर परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए पीड़ित परिवार को 19 हजार 3 सौ रुपए की सहयोग राशि प्रदान किया गया।

जल प्रदाय श्रमिकों की नगर परिषद में नहीं हो रही नियुक्ति

न्यायालय के आदेश की अवहेलना कहीं सीएमओ को पड़ ना जाए भारी

जयसिंहनगर

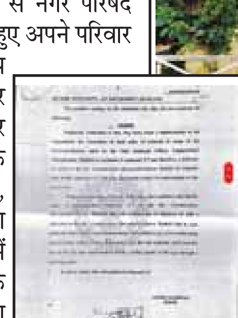

नगरीय निकाय चुनाव के बाद मिले सत्ता और पद से मिले पावर का दुरूपयोग किया जा रहा है। नगर परिषद जयसिंहनगर में पूर्व में कार्यरत रहे बशंत लाल यादव और घूरसेन सिंह 05 जुलाई 2010 से नगर परिषद जयसिंहनगर में जल प्रदाय श्रमिक के पद पर कार्य करते हुए अपने परिवार का जीवन यापन कर रहे थे, दो वर्षो पूर्व संपन्न हुए नगरीय निकाय चुनाव के बाद नवगठित हुई परिषद के बाद नगर परिषद के दैनिक वेतन भोगी इन दोनों कर्मचारियों पर नगर परिषद अध्यक्ष के द्वारा उनके घर पर गोबर उठाना, बच्चो के मलमूत्र साफ-सफाई करना, घर की गाडियो की धुलाई, साफ-सफाई जैसे कई कार्य जबरन दबाव बनाकर कराया जाने लगा, कई बार नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा शहडोल में अपनी पुत्री के घर भेजकर भी घरेलू काम-काज करने के लिए विवश किया गया, लगातार नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा नगर परिषद के जल प्रदाय कार्य के अतिरिक्त घरेलू काम काज कराए जाने की शिकायत जब पत्र के माध्यम से 22 फरवरी 2024 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी से करने पर नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा दैनिक वेतन कर्मचारी बंसत लाल यादव और धूरसेन सिंह को नौकरी से निकालकर गरीबो से रोजगार छीनने का काम किया।

कलेक्टर का आदेश दरकिनार

गौरतलब है कि नौकरी से हटाए जाने के बाद दर-दर न्याय के लिए भटक रहे, दोनों गरीब कर्मचारियों ने न्याय की गुहार लगाते हुए माननीय न्यायालय में वाद दायर कर अपील की, जिस पर सुनवाई उपरांत माननीय न्यायलय द्वारा कलेक्टर पर संबंधितो के आवेदन पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए थे, न्यायलय के आदेश के बाद कार्यालय कलेक्टर जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी जयसिंहनगर को 07 मई 2024 को पत्र लिखकर संबंधित कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधित कार्यवाही करने का आदेश दिया था, किन्तु नगर परिषद् जयसिंहनगर में पदस्थ मुख्य नगर पालिका अधिकारी के कार्यवाही ना करने पर कलेक्टर जिला शहरी विकास अभिकरण द्वारा पुनः स्मरण पत्र 16 मई को जारी किया गया, लेकिन तमाम पत्राचार और न्यायलय के आदेश के बाद भी अब तक गरीब श्रमिक दर-दर भटकने के लिए मजबूर है। आखिर सत्ता के दमपर गरीबो को कुचलना और रोजी रोटी के लिए परेशान करना किस हद तक जायज है।

नगर के वार्डों में चल रहा सेवा अभियान समस्याओं का मौके पर हो रहा निराकरण

धनपुरी

पूरे शहर के अंदर इन दिनों नगर सेवा अभियान के तहत विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है, कमिश्नर के निर्देशन पर इस अभियान को पूरे नगर के अंदर चलाया जा रहा है, बरसात को देखते हुए नगर के समस्त वार्डों में युद्ध स्तर पर सफाई का काम कराया जा रहा है , नगर सेवा अभियान 8 मई से 28 तक चलेगा और साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, जल प्रदाय, हेड पंप, पाइप लाइन जैसी समस्याओं का समाधान किया जाएगा साथ ही मौके पर नागरिकों से मिलकर उनकी समस्याओं को भी पूछा जाएगा और उसका त्वरित निराकरण भी किया जाएगा।नगर सेवा अभियान के तहत वार्ड 12 में नगर पालिका अधिकारी प्रभात बरकड़े ने स्वयं मौजूद रहे, वहां पर व्याप्त समस्याओं के निराकरण का काम किया। वार्ड में अभियान चलाकर सफाई कराई गई, जहां-जहां विद्युत से संबंधित समस्या थी, उसका मौके पर निराकरण किया गया, पानी समस्या के संबंध में लोगों से जानकारी ली गई, जो बाते सामने आई, उस पर भी तत्काल ध्यान दिया गया, वार्ड में जहां नालियों की समस्या है, उसके निर्माण कार्य की बात कही। साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की समस्या से आम नागरिकों को परेशान नहीं होना पड़ेगा जो भी समस्याएं सामने आएंगी उनका तत्काल निराकरण किया जाएगा।नगर पालिका अधिकारी ने बताया कि नगर सेवा अभियान 28 मई तक चलेगा और इस अभियान में नगर के समस्त वार्डों में समस्याओं के समाधान को लेकर काम किया जाएगा, आगामी माह से बरसात भी शुरू हो जाएगी, बरसात को देखते हुए सफाई व्यवस्था प्राथमिकता में शामिल है । वही अभी जो समस्याएं सामने आ रही हैं, उसका तत्काल निराकरण भी किया जा रहा है, सफाई व्यवस्था के साथ-साथ कीटनाशक दवाइयों का छिडक़ाव भी कराया जा रहा है, प्रतिदिन ट्रैक्टर से कचड़े हटाए जा रहे हैं , जहां पर बिजली की समस्या है, उसका निराकरण किया जा रहा है, जो हैंडपंप बंद पड़े हैं, उनका तत्काल सुधार कराया जा रहा है। ऐसे जो भी समस्याएं नागरिकों के द्वारा सामने लाई जा रही है, उस पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है।

जिस घर में प्रतिदिन पूजा होती है, यमराज भी उसके दरवाजे से लौट जाते हैं

अमरकंटक

देवनगरी अमरकंटक जहां पर माता नर्मदा नदी का उद्गम स्थल है नर्मदा नदी में पाए जाने वाले शिवलिंग को नर्मदेश्वर शिवलिंग कहा जाता है और हमारे पुराणों में वर्णित है जो भी नर्मदेश्वर शिवलिंग को अपने घर स्थापित कर पूजन पाठ करता है तो स्वयं यमराज भी उस घर से दूरी बना लेते हैं। इस तरह सूर्य देव के पूजन से भी अनेकोनेक फल प्राप्त होते हैं। सूर्य देव के 12 नाम क्या हैं किन कारणों से भगवान सूर्य के 12 नाम पड़े हैं सूर्य देव के 12 नाम उनके 12 अलग-अलग तरह के आकार-प्रकार और 12 महीनों मे बदलते स्वरूप के अनुसार पुराणो मे वर्णित है। प्रत्येक नाम के साथ भगवान सूर्य का रूप और वर्ण बदलता रहता है। हिन्दू कैलेंडर के 12 मास

मे उन्हे 12 अलग-अलग नामों से संबोधित किया जाता है। उदाहरण स्वरूप इस श्लोक मे हीं देखिये की कैसे एक ही दिन में भगवान भास्कर तीन अलग-अलग रूपों मे परिवर्तित होते रहते हैं।

उदये ब्रह्मणो रूपं मध्याहे तु महेश्वर। अस्तकाले स्वयं विष्णुस्वमूर्ति दिवाकरः।।

अर्थात उदय के समय वे ब्रह्मा के रूप हैं, दोपहर के समय वे महेश्वर हैं और सूर्यास्त के समय वे स्वयं विष्णु के रूप में सूर्य हैं। ठीक उसी प्रकार से प्रत्येक हिन्दू माह मे भगवान सूर्य के तेज मे परिवर्तन होता रहता है। अतः अलग-अलग हिन्दू महीने मे भगवान सूर्य को अलग-अलग नामों से जाना जाता है। भगवान सूर्य के प्रत्येक नाम के पीछे एक कारण छिपा हुआ है। हम अपने पाठकों के लिए भगवान सूर्य देव के उन सभी 12 नामों के कारण और कथा को भी प्रकाशित कर रहे हैं। आप सूर्यदेव के जिस भी नाम से संबन्धित कथा पढ़ना चाहते हैं या उस नामकरण की वजह जानना चाहते हैं उस नाम पर क्लिक करके उस नाम से संबन्धित पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सीएम डॉ. यादव ने स्व. मोनू पटेल को नम आंखों से अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

मोनू पटेल के जन सेवा के जुड़े कार्यों को नहीं भूल जाएगा: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

रविवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हेलीकॉप्टर से नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव पहुंचे। जहां उन्होंने कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल के भतीजे एवं पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल के सुपुत्र स्वर्गीय मणिनागेंद्र सिंह मोनू पटेल की प्रथम पुण्यतिथि पर डॉ यादव ने मोनू पटेल की छायाचित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए नाम आंखों से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की वही पटेल परिवार में वरिष्ठ समाजसेवी भैयाजी मुलायम सिंह पटेल, मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन सचिव सरदार सिंह पटेल, कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह, पटेल पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल एवं प्रबल पटेल से मुलाकात की वही गृह निवास में चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण के समापन अवसर पर भंडारा कार्यक्रम में सम्मिलित होकर भोजन प्रसाद ग्रहण किया।

स्व.मोनू का जाना क्षेत्र की बढ़ी क्षति

पत्रकारों से चर्चा करते हुये मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि मणिनागेंद्र सिंह मोनू पटेल द्वारा किए गए जनहितैषी कार्य को कभी भुलाया नहीं जा सकता ऐसी समाजसेवी युवा नेतृत्व का हम सब के बीच चल जाना प्रदेश के लिए एक बड़ी छती है। डॉ यादव ने कहा मणिनागेंद्र सिंह की स्मृति में बनाए गए फाउंडेशन से क्षेत्र को एक नई दिशा की ओर ले जाएगा जिससे क्षेत्रवासी लाभान्वित होंगे। समाजसेवी भाव का अनुपम कार्य है ।

विषाल भंडारे का हुआ आयोजन ब्राह्मणभोज का मंत्री पटेल सहित परिवार ने उठाया पुण्य लाभ

श्रीमद् भागवत महापुराण के समापन पश्चात पटेल परिवार द्वारा निज निवास में विशाल ब्रह्ममण भंडारे का आयोजन किया था। जिसमें 151 से भी अधिक ब्राह्मणों ने भंडारा प्रसादी ग्रहण किया जिसमें मंत्री प्रहलाद पटेल सहित परिवार ने स्वयं भोजन प्रसादी वितरण की कर सेवा भाव से पुण्य लाभ अर्जित किया।

गोटेगांव विधायक ने किया सीएम का स्वागत

गोटेगांव विधानसभा के क्षेत्रीय विधायक महेन्द्र नागेश मणिनागेंद्र सिंह फाऊंडेशन द्वारा बनाए जा रहे सैनिक स्कूल की जगह पर बनाए गए हेलीपैड स्थल पहुंचे जहां उन्होंने प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का बुके भेंट करते हुए स्वागत किया। हेलीपैड स्थल पर तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, सांसद प्रतिनिधि पंकज चैकसे, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि जितेंद्र ठाकुर, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश पटेल, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा, राजू राजपूत मौके पर उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री को मोनू भैया मित्र मंडली ने भेंट किया स्मृति चिन्ह

कार्यक्रम के पश्चात मोनू भैया मित्र मंडली के सदस्यों युवा समाजसेवी प्रबल सिंह पटेल,सचिन पाठक, श्याम नायक, आदित्य पटेल, दीपक पटेल, दीपक सोनी, राजेश राजपूत, संदीप विश्वकर्मा, मोनू शर्मा, सुरेन्द्र पटेल, राव उदय प्रताप, अमित खरे, सहित फाउंडेशन के सदस्यों ने यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मणिनागेंद्र सिंह फाउंडेशन का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

मौके पर इनकी रही उपस्थित

गोटेगांव विधायक महेन्द्र नागेश, तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल, जनपद जिला अध्यक्ष ज्योति नीलेश कानोड़यिा, भाजपा जिला अध्यक्ष अभिलाष मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष पूनम जितेंद्र ठाकुर उपाध्यक्ष श्रद्धा पंकज चैकसे, वीरेंद्र फौजदार, राजकुमार जैन, हाकम सिंह चडार, निधान सिंह पटेल, राजू राजपूत, पंकज चैकसे, राव हेमराज सिंह पटेल, शक्ति सिंह राजपूत, देवदत्त पचैरी, दीपक सोनी, किशन पटेल, रम्मू पटेल, विक्की तिवारी, राहुल पाटकर, सीताराम रजक, पी.डी साहू, राजा ठाकुर, दुलीचंद विश्वकर्मा सहित अनेकों कार्यकर्ता पदाधिकारी पत्रकारगढ़ मौजूद रहे ।

खबर संक्षेप

डिवाइडर से टकराई बाइक दो घायल

नरसिंहपुर । शनिवार-रविवार की रात कोतवाली थाना अंतर्गत कपूरी तिराहे पर तेज रफ्तार से आ रही एक मोटरसाईकिल डिवाइडर से टकरा गई हादसे चालक और पीछे बैठे व्यक्ति घायल हो गए जिन एंबुलेंस की सहायता से जिला चिकित्सालय भेजा गया जहां उनका ईलाज जारी है। कोतवाली थाना अंतर्गत कठोतिया निवासी पवन पिता नेतराम ठाकुर उम्र 30 वर्ष उसके साथी दुर्गेश पिता हरेराम उम्र 28 वर्ष के साथ मोटरसाईकिल से घर जा रहा था। उसी दौरान कपूरी तिराहे पर तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई जिससे दोनों नीचे गिर गए और दोनों को गम्भीर चोट आ गई वही 108 एम्बुलेंस की सहायता से उन्हें जिला अस्पताल लाया गया जहां दोनो घायलो का उपचार किया जा रहा है।

एकादशी पर बांटा गया बेल का शरबत

नरसिंहपुर । रविवार को वैशाख मास की मोहनी एकादशी पर मिलन समिति द्वारा वेल का शरबत का वितरण किया गया। इस अवसर पर मिलन समिति के संरक्षक एस के चतुर्वेदी, पंडित लक्ष्मण वैष्णव, श्री तिवारी, गणेश कुमार नेमा, हेमराज विश्वकर्मा, बुद्धिप्रकाश विश्वकर्मा, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल, पप्पू राय, गोपालपुरी गोस्वामी, राजेन्द्र चैहान, दीपक रामावत, डा, बलराम सरकार सहित नन्हे बालक बालिकाओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

राजनैतिक दलों की बैठक 22 को

नरसिंहपुर । लोकसभा निर्वाचन-2024 के अंतर्गत मतगणना 4 जून को सम्पन्न होगी। मतगणना के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक 22 मई को दोपहर 11 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की जावेगी। पूर्व में यह बैठक 21 मई को आयोजित होने वाली थी।बैठक में मतगणना की तैयारियों के संबंध में आवश्यक चर्चा की जायेगी। यह जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी व अपर कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

वर्षा पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक 22 को

नरसिंहपुर । अतिवर्षा एवं बाढ़ की स्थिति से निपटने की पूर्व तैयारियों के संबंध में कलेक्टर की अध्यक्षता में 22 मई को सायं 4 बजे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित की जायेगी। बैठक में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित होने के लिए कहा गया है। यह जानकारी संयुक्त कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

लोहे की तलवार लेकर गाँव में दहशत फैलाने वाला गिरफ्तार

नरसिंहपुर । मुंगवानी थाना पुलिस को सूचना मिली कि थुआरी गाँव एक व्यक्ति लोहे की तलवार लेकर घूम रहा हैं और ग्रामीणों में दहशत फैला रहा हैं। खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और व्यक्ति को गिरफ्तार किया वही व्यक्ति जो कि लोहे की तलवार लेकर घूम रहा था। जिसका नाम अर्जुन पिता नेतराम ठाकुर 45 वर्ष ग्राम थुआरी थाना मुंगवानी का निवासी बताया गया वही थुआरी गांव से आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस ने 25 आर्म्स एक्ट की कार्यवाही करते हुए मामला कायम किया।

60 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

नरसिंहपुर । मुंगवानी थाना अंतर्गत मुखबिर की सूचना पर पाला मुंडराई गांव में एक व्यक्ति के दारू बना कर बेचने की खबर मिलने पर मुंगवानी थाना पुलिस ने मौके पर पहुँचकर देखा तो पाला मुंडराई निवासी महेश पिता अच्छेलाल ठाकुर उम्र 47 वर्ष अपने घर के पास झाड़ियों में 4 कुप्पों में छुपा कर रखे था ।

बेटा भाग्य, बेटी सौभाग्य से मिलती है: शिवानंद जी महाराज

हरिभूमि न्यूज - करेली ।

बेटा भाग्य से पैदा होते हैं और बेटी सौभाग्य से पैदा होती है स यदि घर का मुखिया परिवार और समाज के साथ एक से व्यवहार करता है तो कभी भी परिवार और समाज में फूट नहीं हो सकती स मोर कार्तिकेय का वाहन है स सर्प को शंकर जी सर्प माला पहनना पसंद करते हे स महादेव का वाहन बैल है स भगवती का वाहन शेर है फिर भी एक दूसरे के साथ रहते हैं क्योंकि भगवान शंकर इनका मुखिया इनके साथ सम व्यवहार करते है स उक्त प्रवचन कथा व्यास से वृंदावन से आए हुए पंडित शिवानंद जी महाराज ने शिव महापुराण के पंचम दिवस रॉयल सिटी में आयोजित रुद्री महाभिषेक शिवलिंग महापुराण कथा के दौरान कथा व्यास की पीठ से बड़ी संख्या में आए भक्तो के बीच व्यक्त किया स श्री महाराज जी ने बेटा बेटी की प्रति बड़ी ही धार्मिक तरीके से मार्मिक चरित्र तरीके से व्यक्त किया स मुख्य यजमान भगवान पचैरी शिव पुराण का उनके परिवार के द्वारा किया जा रहा है ।

दो सीएम राइज स्कूल लाइट हाऊस स्कूल के रूप होंगे विकसित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा प्रदेश के चयनित सीएम राइज विद्यालयों को नोडल विद्यालय के रूप में तैयार करने के लिए आयोजित प्रशिक्षण में प्रदेश के चयनित 68 सीएम राइज विद्यालयों को नोडल विद्यालय के रूप में तैयार किया गया है। जिले के अन्य विद्यालयों को भ्रमण कराने के उद्देश्य से एक लाइट हाऊस स्कूल के रूप में विकसित करने की योजना के अंतर्गत 68 विद्यालयों को स्कूल लीडर्स का एक दिवसीय प्रशिक्षण पलाश रेजीडेंसी भोपाल में सम्पन्न हुआ। आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता द्वारा जिले के एसडीएम सीएम राइज विद्यालय नरसिंहपुर एवं सीएम राइज सांईखेड़ा को उनके विगत दो वर्ष के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर लाइट हाऊस विद्यालय के रूप में चयनित किया गया है। इस योजना के तहत समस्त जिले के विद्यालय इन विद्यालयों का विजिट करेंगे। साथ ही इन विद्यालयों में चल रही उच्चतम शैक्षणिक प्रक्रियाओं का सूक्ष्मतम अवलोकन कर अपने विद्यालय में लागू करेंगे और शिक्षा के क्षेत्र में श्रेष्ठतम कार्य सम्पादन करेंगे। प्रशिक्षण में चयनित सीएम राइज एसडीएम विद्यालय नरसिंहपुर से प्राचार्य प्रभात मिश्रा, सीएम राइज विद्यालय सांईखेड़ा से प्राचार्य चंद्रकांत विश्वकर्मा, प्रधानपाठक सरदार सिंह राजपूत व रामकुमार ठाकुर द्वारा सहभागिता दी। इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी एच पी कुर्मी द्वारा दोनों सीएम राइज विद्यालयों के प्राचार्य एवं स्टाफ की सराहना करते हुए इस उपलब्धि के लिए शुभकामनायें दी।

काव्य गोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर ।

विगत दिवस वरिष्ठ जन परिषद के वरिष्ठ सदस्य साहित्यकार कवि रमाकांत गुप्ता नीर का परिषद द्वारा पुष्पमाला शाल श्रीफल से स्वागत सम्मान और नागरिक अभिनंदन किया गया। राम जानकी मंदिर धनारे कालोनी नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान चालीसा और मां सरस्वती की वंदना से हुआ। डा. महेश त्रिपाठी,एम एल हरदेनिया,जगत नारायण तिवारी,ओ पी स्वामी अशोक वर्मा,बी एस पटेल,सी पी मिश्रा, डी डी गोस्वामी यू एस उपाध्याय आर के श्रीवास्तव सहित वरिष्ठ जनों ने रमाकांत गुप्ता नीर के अभिनंदन पत्र व काव्य लेखन को रेखांकित किया। उक्त अवसर पर नीर जी के सम्मान में काव्यगोष्ठी में काव्यपाठ करते हुते पं.सी बी शर्मा, मदन श्रीवास्तव, सी पी मिश्रा, विजय शर्मा डा महेश त्रिपाठी गणेश कुमार चतुर्वेदी विष्णु नेमा व रामसेवक श्रीवास ने भावविभोर कविताएं प्रस्तुत की।ओज हास्य कवि अशोक त्रिपाठी ने बुजुर्गों के सम्मान में गरिमामय काव्यपाठ यूं किया..दरों दीवारे दुर्ग होते हैं,धरा अम्बर और स्वर्ग होते हैं, खूश्बू महकती है उस फिजा में,जिस घर आंगन में बुजुर्ग होते हैं। कविवर रमाकांत गुप्ता नीर ने भी अपने काव्यपाठ से नूतन संदेश यूं दिया..दुधी दूधघ से नहलाती शक्कर देती मीठापन, नरसिंहपुर की प्यारी माटी सबको देती अपनापन। आयोजन में अरुण खरे एस के चतुर्वेदी,आर के नेमा धनपत तिवारी एस एस पटेल प्रेमशंकर राघव मानक पटेल श्रवण पटेल जनक लोधी जी के सक्सेना अनिल राय केदार गुप्ता रमेश मेहरा, हरिश्चंद्र साहू, पी के मेहरा महेश नेमा आर के पटवा एनसी जैन,पहलाद पटेल राजेश जाट व्ही पी मालवीय भवानी शर्मा ने भी अपने भाव विचार रखे। संचालन कविवर अशोक त्रिपाठी ने व आभार प्रदर्शन अरुण खरे ने किया।

अघोषित विद्युत कटौती से ग्रामीण हलाकान

फाल्ट और लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण

तेंदूखेड़ा - इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में बिजली की अघोषित कटौती के बीच जहां चिलचिलाती धूप भीषण गर्मी में हर वर्ग परेशान बना हुआ है वहीं जर्जर विद्युत केबिल हीट के चलते टूटकर गिरने कम वोल्टेज की समस्या कोढ़ में खाज का काम कर रही है।फाल्ट सुधारने के नाम पर रात्रि में उमस भरी गर्मी के बीच मच्छरों के दंश बिजली गुल रहना किसी यातना से कम नहीं हैं। हमारे प्रतिनिधि को समीपी ग्राम इमझिरा के उपभोक्ताओं ने बताया कि प्रतिदिन अर्धरात्रि में जानबूझकर कर बिजली काट दी जाती है ग्रामीण उपभोक्ताओं द्वारा अधिकारियों को फोन लगाया जाता है तो फोन भी नहीं उठाते है और कहीं से कोई सकारात्मक उत्तर भी नहीं मिलता। ग्रामीणों का कहना है कि लोड सेंटिंग के हिसाब से व्यवस्था नहीं होने के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। बगैर किसी सूचना के ही बिजली बंद कर दी जाती है। और यदि जानकारी मांगी जाती है तो आधा घंटे बाद आने का हवाला देते हुए घंटों बिजली बंद रखी जाती है।

अब ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की अघोषित कटौती के कारण स्थितियां बिगड़ रही है। जिससे पेयजल सप्लाई से लेकर अन्य कार्यों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर थ्री फेस की अपेक्षा सिंगल फेस ग्रामीण क्षेत्रों में दिए जा रहे हैंड़फोड़ जिससे एक ही तार पर पूरे ग्राम का लोड पड़ रहा है कभी केविल लाइन में फाल्ट के नाम पर तो कभी ओवरलोड के नाम पर बिजली को घंटे बंद रखा जाना एक सोचनीय विषय बना हुआ है। वर्तमान समय में भीषण गर्मी में यह स्थिति है कि कहीं कोई घटना घटित हो भी जाती है या कहीं कोई बिजली से संबंधित कोई शिकायत रहती है तो विभागीय अधिकारी उस समस्या के निराकरण के लिए तो दूर, फोन उठाकर उसको सुनना भी जायज नहीं समझते हैं। वहीं विभाग द्वारा कृषि एवं घरेलू उपभोक्ताओं को अलग-अलग सुविधा प्रदान की गई है परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ लाईनमैनों की साठ गांठ के चलते ग्रामों में रखे ट्रांसफार्मरो से खेतों में बिजली की सप्लाई कराई जा रही है, जिस ट्रांसफार्मर पर भी लोड बढ़ रहा है। परंतु विभागीय अधिकारी इस और कोई संज्ञान नहीं लेते हैं, अब सवाल यह है कि इस तपन भरी गर्मी में कब तक उपभोक्ता परेशान होते रहेंगे विभाग कब कार्रवाई कर अपनी सुविधाओं को दुरुस्त कर पाएगा। बिजली की आंख मिचैली से जहां अनेकों घरेलू कार्यों के साथ अन्य कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। मवेशियों को पीने के पानी को लेकर दो से चार होना पड़ रहा है।मूंग और गन्ने की फसल सूखने लगी है। कृषकों और आम आदमी की परेशानियां और बढ़ रही है, परंतु विभागीय अधिकारियों की अनदेखी को ग्रामीण कब तक भोगने मजबूर रहेंगे।यह कोई इमझिरा की स्थिति नहीं है बल्कि गुटोरी विलगुंवा सहित अनेकों ग्रामों में यह स्थिति बनीं हुई है। ग्रामीणों ने तत्काल प्रभाव से समस्या समाधान की मांग की है।

नर्मदा हमारी जीवन रेखा फिर भी संरक्षण और रखरखाव

के उचित प्रबंध नहीं-बनाया जाये आयोग

तेंदूखेड़ा-

मध्यप्रदेश की जीवन रेखा कहलाने वाली पुण्य सलिला मां नर्मदा के सरंक्षण और रखरखाव को लेकर चर्चाएं और बातें तो खूब हुआ करती है लेकिन नर्मदा आज जिस स्थिति में वह हमारे लिए चिंता का विषय है। शीघ्र ही अलग विभाग या आयोग का गठन कर इसके उचित संरक्षण रखरखाव की दिशा में पहल होनी चाहिए। उक्त विचार गुरु जी संस्थापक वात्सल्य धाम जबलपुर से श्री अभिषेक सिंह ने तेंदूखेड़ा पहुंचे अपने अल्प प्रवास के दौरान नर्मदा भक्तों के बीच रखे। आने वाले समय में हर जिले विकास खंड स्तर पर नर्मदा सेना गठित कर एक विशाल नर्मदा यात्रा निकाले जाने की तैयारी को लेकर नर्मदा के उद्गम स्थल से मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से गुजर रही नर्मदा तटों गांवों की वस्तु स्थिति जानने को लेकर यहां पहुंचे थे। जहां नितिन सिंह ठाकुर के नेतृत्व में उनका शाल श्रीफल से सम्मान किया गया एवं काफी विस्तार से नर्मदा के संरक्षण पर चर्चा की गई।श्री सिंह ने स्पष्ट किया कि 3500 किमी की इस यात्रा में 10करोड पेड़ लगाने का संकल्प लिया जायेगा।यह संकल्प केवल दिखावा और प्रदर्शन से दूर हटकर

धरातल पर वास्तविकता के साथ होगा। जिसका आगाज दीपावली पर्व के बाद से शुरू होगा। नर्मदा सेना यात्रा केवल समस्या के लिए नहीं वरन समाधान के लिए होगी। प्रत्येक जिले और गांव स्तर पर जहां जहां नर्मदा गुजरती है वहां की स्थानीय इकाई गठित कर समाधान में जुटेगी। सामूहिक प्रयासों से ही कुछ किया जा सकेगा। शासन के समक्ष एक आयोग या विभाग बनाये जाने को लेकर अपनी बात प्रमुखता से रखी जाएगी जो राजनीति से दूर होगी।

नर्मदा पथ और यात्रियों की समस्याओं का हल हो

नर्मदा परिक्रमा के दौरान आज जगह जगह घाटों पर बड़े भूभाग पर अतिक्रमण पद रास्ते पर आवागमन में असुविधा गंदगी की समस्या को हल कराने के लिए स्थानीय स्तर पर लोगों का सहयोग लेकर समाधान ढूंढा जायेगा।अक्सर कर देखने में आ रहा है कि नर्मदा से मिलने वाली सहायक नदियों का अस्तित्व खतरे में है।गंदे नाले नर्मदा में मिलाये जा रहे हैं। बड़े रूप में रेत का उत्खनन चल रहा है। घाटों का कोई उचित रखरखाव नहीं हो रहा है। विशेष स्नान पर्वों या जयंती विशेष पर नर्मदा को प्रदूषण से बचाने इसे एक जन अभियान का रुप देकर निराकरण की दिशा में मुहिम चलाई जायेगी। जिसमें हर वर्ग के लोगों को समावेशित किया जायेगा।

प्रकृति बंदन के तहत पौधारोपण

इस मौके पर आने वाली 7जुलाई को तेंदूखेड़ा के सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में प्रकृति बंदन के तहत हमारा नगर हमारा दायित्व कार्यक्रम के तहत एक वृहद स्तर पर पौधारोपण कार्यक्रम की विस्तार से युवा समाजसेवी नीरज राय ने जानकारी देते हुए बादाम का पौधा रोपण करवाते हुए इसका श्रीगणेश करवाया।इस मौके पर युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राम पटेल राव निर्दोष सिंह दीपांशु साहू मुकुल नामदेव कुलदीप शर्मा आदित्य नायक वैदिक राय सहित बड़ी संख्या मे युवा उपस्थित थे।